भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 782
गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

मुरादाबाद विमानपत्तन पर उड़ान सेवाएं

782. श्री मोहिब्बुल्लाहः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मुरादाबाद विमानपत्तन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) मुरादाबाद विमानपत्तन के कब तक पूरी तरह से चालू हो जाने की संभावना है और उड़ान सेवाएं आरंभ करने की योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) विमानपत्तन की स्थिरता सुनिश्चित करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(घ) मुरादाबाद विमानपत्तन पर कार्गो और संभार तंत्र संबंधी सुविधाएं प्रदान करने की क्या योजना है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): मुरादाबाद हवाईअड्डे को 'उड़ान' योजना के तहत चिह्नित और विकसित किया गया था और इसे श्रेणी 2बी हवाईअड्डे के रूप में लाइसेंस प्रदान किया गया था।

फ्लाइबिग ने दिनांक 10 अगस्त, 2024 को मुरादाबाद-लखनऊ मार्ग पर आरसीएस उड़ानों का परिचालन आरंभ किया, परंतु कम दृश्यता की स्थिति और रिसर्फेसिंग कार्यों के दौरान लखनऊ में दिन के समय रनवे बंद होने के कारण दिनांक 3 नवंबर, 2024 से सेवाओं को बंद कर दिया।

दिनांक 22.09.2025 को, फ्लाइबिग ने नए प्रवेशी एयरलाइन स्काईहॉप एविएशन प्राइवेट लिमिटेड को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) के तहत अपने अनुबंधात्मक अधिकारों और दायित्वों को सौंपा और उनका नवीकरण किया। स्काईहॉप वर्तमान में उड़ान प्रचालक प्रमाण-पत्र (एओसी) प्राप्त करने और विमान अधिग्रहण सहित विनियामक और प्रचालनिक अपेक्षाओं को पूरा कर रहा है।

निरंतर उड़ान परिचालन सुनिश्चित करने के लिए, यह योजना एयरलाइन प्रचालकों को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) और अन्य रियायतों के रूप में वित्तीय सहयोग प्रदान करती है। लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करने हेतु एयरलाइनों को अवॉर्ड किए गए मार्गों पर तीन वर्ष का विशेष अधिकार प्रदान किया जाता है।

प्रचालनिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए परिचालन बंद किए गए मार्गों की आवधिक पुनः बोली प्रक्रिया आयोजित की जाती है और प्रमुख हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय किया जाता है।

(घ) : कार्गो सुविधाओं का विकास हवाईअड्डे के विकास की प्रगति, अनुसूचित परिचालनों में वृद्धि, हैंडलिंग क्षमता, घरेलू कार्गो की मात्रा में वृद्धि और एयरलाइनों से मांग जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। एयरलाइनें किसी भी हवाईअड्डे की कार्गो क्षमता, हैंडलिंग क्षमताओं और परिचालन की समग्र वाणिज्यिक व्यवहार्यता के अपने आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर कार्गो परिचालन आरंभ करती है।

******